www.lnmuonline.com

LNMU Question Paper BA Part-2 - 2014

Philosophy (Hons.) Paper-III

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दें जिसमें प्रश्न संख्या 1 अनिवार्य है।

1. नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए :
   (a) हेतु एक अवयव है :
   (i) अनुमान का (ii) प्रत्यक्ष का (iii) शब्द का (iv) इनमें से कोई नहीं
   (b) पूर्ववत् एक प्रकार का :
   (i) प्रत्यक्ष है (ii) अनुमान है (iii) उपमान है (iv) इनमें से कोई नहीं
   (c) न्यायसूत्र का लेखक है :
   (i) गौतम (ii) जैमिनी (iii) कपिल (iv) इनमें से कोई नहीं
   (d) हेतु और साध्य के बीच नियत औपचारिक संबंध को कहा जाता है :
   (i) व्याप्ति (ii) परामर्श (iii) पक्षधर्मता (iv) अनुमिति
   (e) न्याय के अनुसार प्रमाण हैं :
   (i) एक (ii) दो (iii) तीन (iv) चार
2. न्याय के अनुसार अनुमान क्या है?
3. न्याय तर्कशास्त्र के अनुसार अनुमान की प्रक्रिया की विवेचना कीजिए।
4. धर्मकीर्ति के अनुसार हेतु के विभिन्न प्रकारों का एक विवरण कीजिए।
5. अनुमान की प्रक्रिया के संबंध में जैनमत की विवेचना कीजिए।
6. बौद्ध तर्कशास्त्र के अनुसार अनुमान के स्वरूप की व्याख्या कीजिए।
7. जैन दर्शन में अनुसार अनुमान की प्रक्रिया की विवेचना कीजिए।
8. बौद्ध दर्शन में अनुमान के प्रकारों का वर्णन करें।
9. जैन दर्शन में अनुमान के भेदों का वर्णन करें।
10. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखें :
    (a) साध्य (b) पूर्ववत् और शेषवत्

www.lnmuonline.com
www.lnmuonline.com
www.lnmuonline.com
www.lnmuonline.com

www.lnmuonline.com